चिन्नौर चावल को जीआई टैग

चर्चा में क्यों?

29 सितंबर, 2021 को राज्य सरकार द्वारा बताया गया कि **चिन्नौर चावल के लिये जीआई टैग** के **मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के दावे में मध्य प्रदेश को मान्यता** दी गई।

प्रमुख बिंदु

- **चिन्नौर चावल का उत्पादन मुख्यत: बालाघाट क्षेत्र में** किया जाता है, हालाँकि **महाराष्ट्र के भंडारा में भी इसका उत्पादन** किया जता है, जिसके लिये महाराष्ट्र द्वारा जीआई टैग का दावा किया गया था।
- बालाघाट में पाई जाने वाली **चीकायुक्त दोमट मिट्टी यहाँ चावल उत्पादन के लिये अनुकूल** परिस्थितियाँ उत्पन्न करती हैं। इसलिये **बालाघाट को मध्य प्रदेश का धान का कटोरा** भी कहा जाता है।
- भारत में **जीआई टैग** को वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण एंव संरक्षण) अधिनियम, 1999 के तहत विनियमित किया जाता है।
- भारत में सबसे पहले जीआई टैग 2004 में दार्जलिंग चाय को प्रदान किया गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gi-tag-to-chinnor-rice